Date 11 / 03 / 19 21 April ① PG II Sem

अध्याय – 4

ग्रामीण समाज की समस्याएँ

(Major problems of Rural India)

1. अशिक्षा :– Illiteracy
11. बंधुआ मजदूर :– Bonded labour
111. प्रवजन :– migration

I. अशिक्षा :– भारत एक ग्राम प्रधान देश है जिसकी 74.3% जनसंख्या गाँव में निवास करती है। देश की प्रकृति के लिए आवश्यक है कि उसकी ग्रामीण जनसंख्या भी अशिक्षित न रहे और शिक्षित रहने के साथ-साथ ग्रामीण विकास में योगदान पर्याप्त मात्रा में हो, वर्तमान भारत में केवल 65.38% व्यक्ति शिक्षित है। ग्रामीण क्षेत्रों में तो शिक्षित व्यक्तियों का प्रतिशत और भी कम है अतः यह देश की सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक क्षेत्रों की प्रगति में बड़े पैमाने की बाधा का रूप धारण किये हुए है।

ग्रामीण अशिक्षाकाकई क्षेत्रों की समस्याओं से सम्बन्ध है जिन्हे आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक, नैतिक, सांस्कृतिक तथा अन्य प्रकार की समस्याओं की जड़ माना जा सकता है :–

1. **अशिक्षा द्वारा आर्थिक समस्याएँ :–** ग्रामीण उद्योग, कुटीर उद्योग, कृषि उद्योग, विशेष रूप से अशिक्षित व्यक्ति के समक्ष एक बड़ी बाधा प्रस्तुत करती है। यदि ग्रामीण क्षेत्र में बड़ी संख्या में व्यक्ति शिक्षित हो तो वे अपनी आर्थिक समस्याओं को सुलझाने, नवीन आविष्कारों और मशीनों की जानकारी प्राप्त करने आदि में बहुत कुछ प्रगति कर सकते है। यदि ग्रामवासी पर्याप्त रूप से शिक्षित हों तो कृषि कुटीर उद्योगों में तथा अपनी आय और व्यवसाय को बढ़ाने में अत्यधिक लाभ उठा सकते है।

Scanned with CamScanner

Date ___/___/______

2. अशिक्षा द्वारा राजनीतिक क्षेत्र में समस्याएं :— ग्रामीण अशिक्षित व्यक्ति देश की राजनीतिक, राजनैतिक सिद्धांतों की जानकारी आदि के बारे में अपरिचित रहते हैं। क्योंकि जितना भी साहित्य, पत्र-पत्रिकाएँ या सम्बन्धित लेख विद्वानों के विचार प्रकाशित होते हैं उन्हें अपनी अशिक्षा के ही कारण वे न तो पढ़ सकते और न समझ सकते हैं। इस प्रकार देश की एक अशिक्षित नागरिक के रूप में रह जाते हैं। पंचायतों के बारे में जानकारी उनके नियम तथा स्थापित करनें की विधि, पंचायतों के सदस्यों के कर्तव्य अधिकार आदि को बारे में किसी को भी अशिक्षित व्यक्ति छापें हुए साहित्य से ग्रहण नहीं कर पाता है।

3. अशिक्षा द्वारा सामाजिक क्षेत्र में समस्याएँ :— अनपढ़ व्यक्ति अनेक प्रकार की सामाजिक समस्याओं से अपरिचित होता है जैसे :— कानून के द्वारा विभिन्न जातियों को प्रदान की गई सुविधाएँ, संवैधानिक अधिकार, एक नागरिक के रूप में उसके कर्तव्य, समाज में व्याप्त कुप्रथाओं की आलोचनाएँ तथा उसे सम्बन्धित प्रकाशित लेख, राज्यकीय नियम आदि जिन्हें सरकारी स्तर पर छपवा दिया जाता है आदि। यदि ग्रामवासी उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त किये हो तो उसके सामनें इस प्रकार की समस्याएँ उनकी अशिक्षा के कारण नहीं सामनें आयेंगी।

4. अशिक्षा द्वारा नैतिक तथा सांस्कृतिक क्षेत्र में समस्याएं :— अशिक्षा का सर्वाधिक घनिष्ठ सम्बन्ध अपनें ग्रामीण क्षेत्र में प्रचलित नैतिक प्रतिमानों और अपनें समुदाय की संस्कृति के विषय में विभिन्न प्रकार के प्रकाशित साहित्य, विभिन्न विद्वानों के लेख, जो अनेक सामाजिक कुरीतियों तथा समस्याओं पर विचार प्रस्तुत करतें हैं तथा जो भी नवीन दृष्टिकोण प्रकाशित होते हैं उन्हें न पढ़ सकते हैं और न ही समझ सकते हैं। वे अपनी

Page No. ____